0ई

| | | प्रदेश विषयः। । |
|----|---------|--|
| 2 | मन्त्रे | यवात्यमन्त्रतात्पर्यदर्भनं ६२८ |
| 8 | ,,, | ग्रव्यमन्त्रतात्पर्यदर्शनं ६२८ |
| 4 | ,,, | सन्तवाख्यमन्त्रतात्पर्यदर्भनं ६२८ |
| Ę | ,, | प्रमुक्तिमन्त्रतात्पर्यदर्शनं |
| 9 | ,, | पञ्चमप्रपाठकान्तर्गतिकतमानुवाकस्पद्यार्थतादर्भनं ६२६ |
| - | ,, | ग्ररीर हो ममन्त्रतात्पर्यदर्शनं ६२८ |
| 3 | ,, | यागमन्त्रतात्पर्यदर्शनं ६२६ |
| 20 | ,, | मचिममन्त्रदयतात्पर्यदर्भानं ६२६ |
| 28 | ,, | . ब्रह्मवर्चसमन्त्रतात्पर्यदर्शनं ६३० |
| १२ | ,, | . चानुवाकान्तरतात्पर्यदर्भानं |
| १३ | ,, | सन्नतिमन्त्रतात्पर्यदर्भानं ६३० |
| 88 | ,, | संचितानामातस्य भूताय खाचेत्यादिमन्त्रदयस्य व्याख्या ६३० |
| 84 | ,, | चतुर्धकाग्छाक्तानुवाकत्रयतात्पर्यदर्शनं ६३१ |
| 34 | ,, | उक्तामन्त्रीमसन्तिम्यमेधानुष्ठानवेदनयोः प्रशंसा ६३१ |
| 24 | ,, | खन्नहोमानन्तरं यदि रात्रियविश्योत तदा तदानीं |
| | | कर्त्यचोमविधानं ६३१ |
| 8 | = ,, | सर्वान्ते विधीयमान होमः ६३१ |
| | | THE RESERVE OF THE PARTY OF THE |
| | | १८ अनुवाके यूपप्रयोगाभिधानं। |
| 1 | ,, | च्यश्वमेधीययूपसङ्घविधानं ६३२ |
| | | चित्रिष्ठनामजमुख्ययूपस्य चच्चविश्रेष्ठातिः ६३२ |
| | | च्यश्वरिधरावदाने साधनविश्रोधविधानं ६३३ |
| | | उत्तान्यावदानसाधनविश्रेषेातिः ६३३ |
| | ۱ " | |
| | | उत्तपशुगतावान्तरविशेषविधामं |
| | | |